



Gotam



Ramola

Model: Love-Horoscope

Order No: 121016501

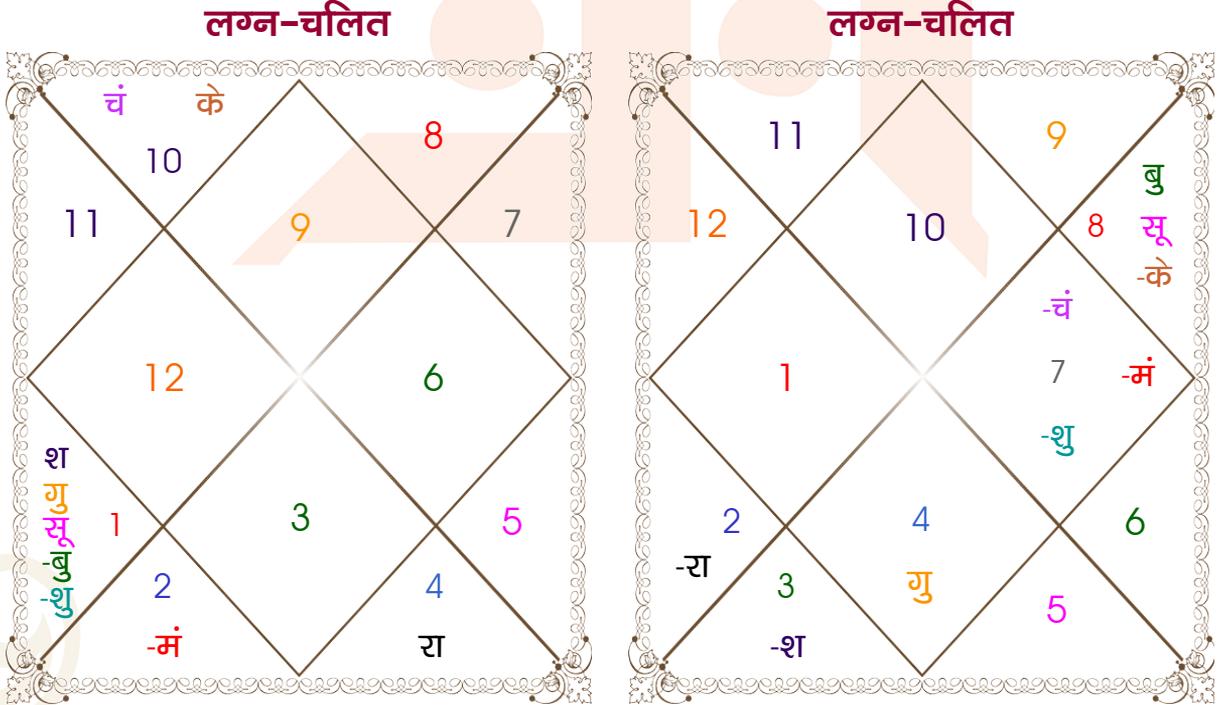
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
27/04/2000 :	जन्म तिथि	: 01/12/2002
गुरुवार :	दिन	: रविवार
घंटे 23:05:05 :	जन्म समय	: 11:20:20 घंटे
घटी 42:50:40 :	जन्म समय(घटी)	: 11:15:43 घटी
India :	देश	: India
Indore :	स्थान	: Indore
22:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:56:49 :	सूर्योदय	: 06:50:02
18:51:37 :	सूर्यास्त	: 17:40:43
23:51:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:35
धनु :	लग्न	: मकर
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: शनि
मकर :	राशि	: तुला
शनि :	राशि-स्वामी	: शुक्र
धनिष्ठा :	नक्षत्र	: चित्रा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
1 :	चरण	: 3
शुक्ल :	योग	: सौभाग्य
तैतिल :	करण	: कौलव
गा-गगन :	जन्म नामाक्षर	: रा-राखी
वृष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु
वैश्य :	वर्ण	: शूद्र
जलचर :	वश्य	: मानव
सिंह :	योनि	: व्याघ्र
राक्षस :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मृग

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 7मा 6दि	10:59:02	धनु	लग्न	मक	19:49:43	मंगल 2वर्ष 0मा 14दि
गुरु	13:53:34	मेष	सूर्य	वृश्चि	14:57:31	गुरु
03/12/2024	24:05:27	मक	चंद्र	तुला	02:46:47	16/12/2022
03/12/2040	01:51:54	वृष	मंगल	तुला	05:52:36	16/12/2038
गुरु 22/01/2027	01:23:44	मेष	बुध	वृश्चि	24:25:09	गुरु 02/02/2025
शनि 04/08/2029	21:32:10	मेष	गुरु	कर्क	24:11:38	शनि 16/08/2027
बुध 10/11/2031	01:58:31	मेष	शुक्र	तुला	08:03:04	बुध 21/11/2029
केतु 16/10/2032	24:54:09	मेष	शनि व	मिथु	03:01:50	केतु 28/10/2030
शुक्र 17/06/2035	04:26:47	कर्क व	राहु	वृष	14:48:10	शुक्र 28/06/2033
सूर्य 04/04/2036	04:26:47	मक व	केतु	वृश्चि	14:48:10	सूर्य 16/04/2034
चन्द्र 04/08/2037	26:39:24	मक	हर्ष	कुंभ	01:19:28	चन्द्र 16/08/2035
मंगल 11/07/2038	12:41:04	मक	नेप	मक	14:47:04	मंगल 22/07/2036
राहु 03/12/2040	18:33:31	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:13:36	राहु 16/12/2038

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

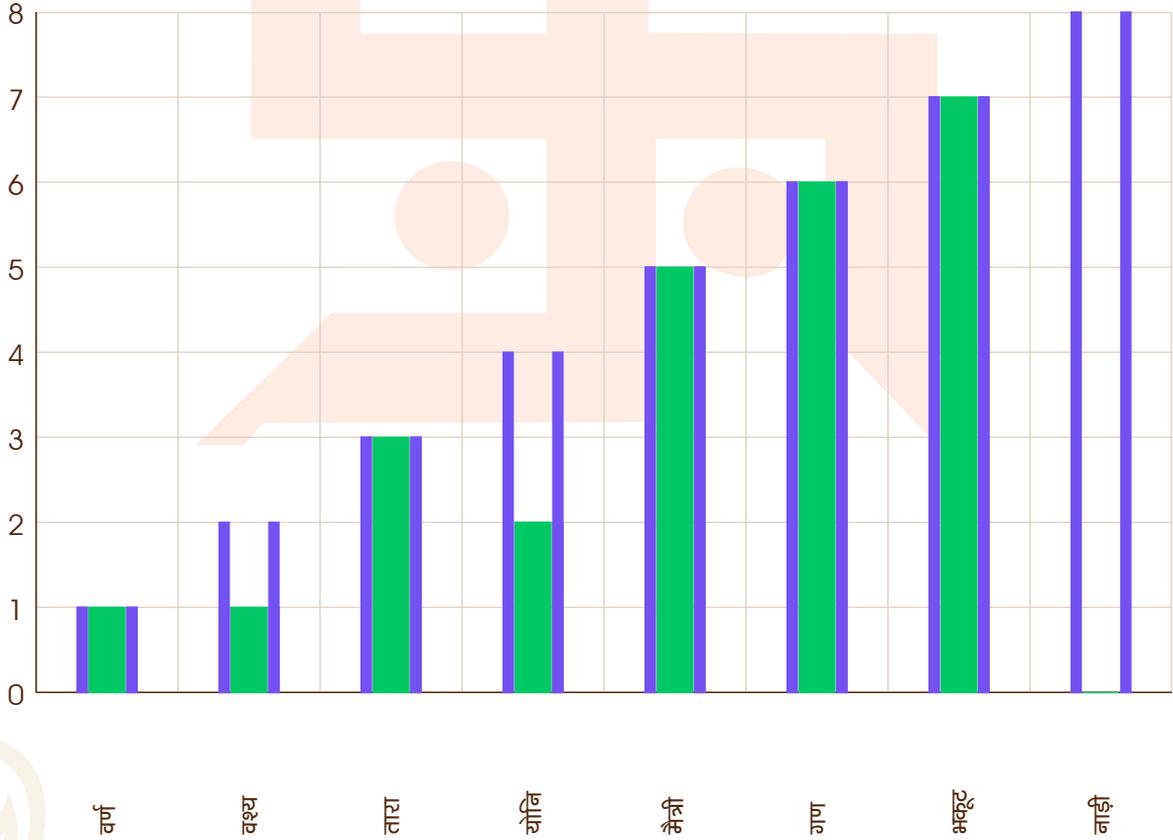
23:51:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:35



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>25.00</b>		

कुल : 25 / 36



## अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Gotam का वर्ग मार्जार है तथा Ramola का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Gotam और Ramola का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Gotam मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ramola मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

Gotam तथा Ramola में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Gotam का वर्ण वैश्य है तथा Ramola का वर्ण शूद्र है। इसमें Ramola का वर्ण Gotam के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ramola अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ramola हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

### वश्य

Gotam का वश्य जलचर है एवं Ramola का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ramola अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Gotam उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

### तारा

Gotam की तारा जन्म तथा Ramola की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

### योनि

Gotam की योनि सिंह है तथा Ramola की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Gotam एवं Ramola दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Gotam एवं Ramola के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Gotam एवं Ramola जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

### गण

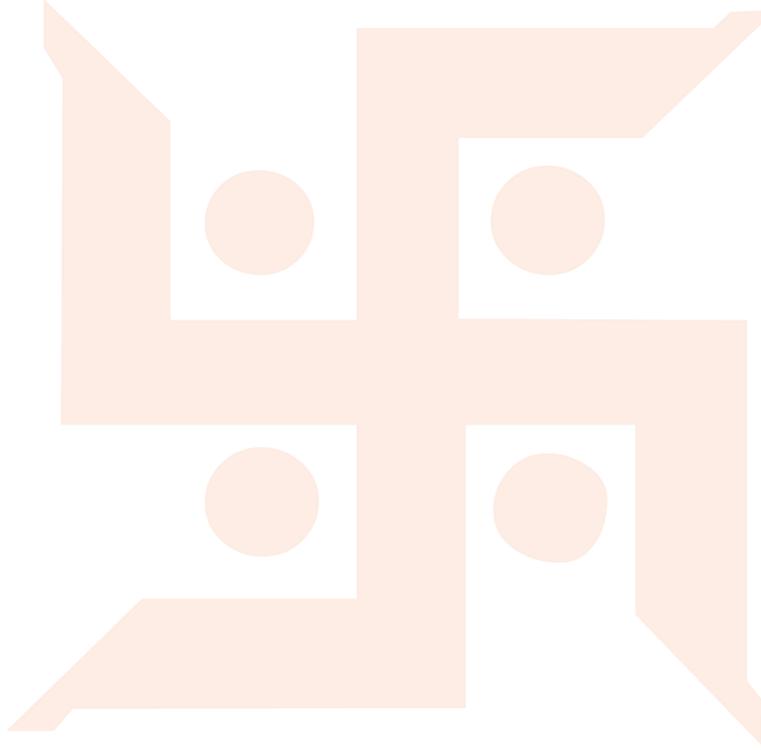
Gotam का गण राक्षस है तथा Ramola का गण भी राक्षस है। अर्थात् Ramola का गण Gotam के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Gotam एवं Ramola दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

### भकूट

Gotam से Ramola की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ramola से Gotam की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Gotam एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ramola को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ramola हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

## नाड़ी

Gotam की नाड़ी मध्य है तथा Ramola की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Gotam एवं Ramola का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



# मेलापक फलित

## स्वभाव

Gotam की जन्मराशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ramola की राशि वायुतत्व युक्त तुला राशि है। भूमि और वायु में नैसर्गिक विषमता होने के कारण यद्यपि इनमें स्वभावगत विषमताएं विद्यमान रहेंगी परन्तु सामंजस्य तथा बुद्धिमता से अनुकूल संबंध बनाने में सहायता प्राप्त हो सकती है। अतः यह मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

Gotam की राशि का स्वामी शनि तथा Ramola की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र भाव में पड़ती हैं अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के लिए मन में प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। Gotam और Ramola परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा सच्चे मित्र की भांति अव गुणों की उपेक्षा करेंगे। इससे जीवन सुखमय रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति त्याग की भावना विद्यमान होगी।

Gotam और Ramola की राशियां परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से दोनों एक दूसरे के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में भौतिक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करेंगे एवं किसी के भी मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। फलतः आपस में विश्वास का भाव रहेगा एवं प्रसन्नतापूर्वक दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

Gotam का वश्य जलचर तथा Ramola का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताओं में भी अन्तर रहेगा। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफल होंगे।

Gotam का वर्ण वैश्य तथा Ramola का वर्ण शूद्र है। अतः Gotam की प्रवृत्ति धनार्जन में अधिक रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। लेकिन Ramola किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षेत्र की उन्नति सन्तोषप्रद रहेगी।

## धन

Gotam और Ramola का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Gotam और Ramola सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Gotam को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन

धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

### स्वास्थ्य

Gotam और Ramola दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे Gotam और Ramola दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से Gotam को धातु संबंधी तथा Ramola को मासिक धर्म संबंधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

### संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Gotam और Ramola का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ramola के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ramola को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगे। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Gotam और Ramola बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Gotam और Ramola का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

Ramola के सास से संबंधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबंधों में मधुरता लाने के लिए Ramola को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Ramola को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Ramola के संबंधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ramola का ससुराल के लोगों से अच्छे संबंध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

### ससुराल-श्री

Gotam की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Gotam सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Gotam ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Gotam के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

## लग्न फल

### Gotam

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्ज्वल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपत्ति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएंगे। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपत्ति का संचय कर धनी बन जाएंगे

तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

## Ramola

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगी। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़ी भाग्यशाली हैं। आपके पति आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाले तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगी। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरुचि रखेंगी। आपके सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगी तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगी। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगी। आप ऐसी आशा कर सकती हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगी। आप अपनी आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगी। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएँ। आप उसका सामना करेंगी। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करती हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृति जैसी समस्याओं

को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराती रहें।

आप दानशील प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगी तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगी। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृत्ति की प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।

## अंक ज्योतिष फल

### Gotam

आपका जन्म दिनांक 27 होने से दो और सात के योग द्वारा नौ आपका मूलांक होगा। जिसका अधिष्ठाता ग्रह मंगल है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक सात का भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह है।

मूलांक नौ का स्वामी मंगल एवं उनके ग्रहमण्डल का सेनापति होने से आपके अन्दर सेनापतित्व की भावना अधिक रहेगी। आप बचपन से अन्तिम अवस्था तक मुखिया के रूप में रहना पसन्द करेंगे। ऐसा ही रोजगार का क्षेत्र चुनेंगे, जिसमें आप स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। साहस आपके अन्दर कूट-कूट कर भरा होगा तथा साहसिक कार्यों को करने में आपको विशेष आनन्द की अनुभूति होगी। स्वभाव से आप तेज गति वाले, शीघ्रातिशीघ्र कार्य को अंजाम देने वाले तथा जल्दी एवं फुर्ती से सभी कार्यों को संपादित करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति अर्जित करेंगे।

साहस आपका मुख्य गुण रहेगा और दुःसाहस अवगुण। कभी-कभी दुःसाहस वश आप अपने जीवन में गहरी चोट भी खायेंगे। अनुशासन पालन करना एवं कराना आपके स्वभाव में रहेगा। इससे आप कठोर हृदय के व्यक्ति कहलायेंगे। लेकिन कोई भी व्यक्ति आपकी खुशामद, चापलूसी करके आपसे वांछित कार्य करा सकता है। अतः इस अवगुण के कारण खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से आप जीवन में कई बार हानि भी उठायेंगे। क्रोध की मात्रा आपके स्वभाव में ज्यादा ही रहेगी। इससे आपको हानियों की संभावनाएं प्रायः बनी रहेगी एवं आपके शत्रुओं, विरोधियों की वृद्धि का कारण आपका क्रोध बनेगा।

अंक दो का स्वामी चंद्र एवं सात का नेपच्यून आपकी कल्पना शक्ति, अन्वेषण कार्यों में वृद्धि करेगा। आपको बाग-बगीचे, हरियाली, जंगल, पहाड़ों की सैर करना अच्छा लगेगा।

### Ramola

आपका जन्म दिनांक एक होने से आपका मूलांक एक होता है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा की महिला होंगी। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगी। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगी उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगी। इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन में जो भी विचार बना लेंगी उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगी। आपके प्रेम संबंधों में, मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा तथा लम्बे समय तक आपके संबंध मधुर एवं स्थायी बने रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य

करने में असुविधा महसूस करेंगी। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगी। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी कि आप जो भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप बीच में आपको मंजूर नहीं होगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह होने के कारण सूर्य से संबंधित गुण कमोवेश मात्रा में आपके अंदर मौजूद रहेंगे। इसके प्रभावश दूसरों का उपकार, उपचार करने की प्रवृत्ति आपके अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान ही प्रकाशित होना पसंद करेंगी। सामाजिक संगठनों में मुखिया का पद पाने की आपकी चाहत बनी रहेगी। जोकि आप अपनी मेहनत एवं लगन से प्राप्त करेंगी।

## Gotam

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

## Ramola

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।